Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 30 April 2024

Dainik Jagran Page - 02, 04

स्थापना दिवस समारोह को लेकर उत्साहित हैं अंतरराष्ट्रीय पुरातन छात्र

गोरखपुर : गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय पुरातन छात्र एक मई को आयोजित होने वाले स्थापना दिवस समारोह में शामिल होने को लेकर उत्साहित हैं। कुलपति प्रो.पूनम टंडन ने विश्वविद्यालय के वैश्विक नेटवर्क को और मजबूत करते हुए नेपाल में एक अंतरराष्ट्रीय पुरातन छात्र चैप्टर के गठन की पहल की है।

अंतरराष्ट्रीय पुरातन छात्र परिषद के अध्यक्ष डा.एमएल शर्मा के अनुसार नेपाल के 15 प्रतिष्ठित पुरातन छात्र गोवि से डिग्री प्राप्त कर वर्तमान में उच्च शिक्षण संस्थानों में सेवा दे रहे हैं और वे समारोह में शामिल लेंगे। इनमें प्रो.एनपी पहाड़ी, प्रो.वीरेंद्र तखुर, डा.लाल बेबू शाह, डा.जी.ढुंगाना, डा.पीएस भंडारी, डा.एनपी सतकोटा और डा.लक्ष्मी कंवर शामिल हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका के पुरातन छात्रों के एक प्रतिनिधिमंडल ने भी समारोह में भाग लेने को लेकर इच्छा जताई है। कुलपति प्रो.पूनम टंडन ने अंतरराष्ट्रीय पूर्व छात्र समुदाय से मिली प्रतिक्रिया पर प्रसन्नता व्यक्त की। कहा, नेपाल और संयुक्त राज्य अमेरिका दोनों से हमारे सम्मानित पूर्व छात्रों की भागीदारी, गोवि के साथ उनके स्थायी बंधन का एक प्रमाण है। कहा कि स्थापना दिवस समारोह में उनकी उपस्थिति कार्यक्रम को समृद्ध करेगी और हमारे वैश्विक पूर्व छात्रों को मजबूत करेगी। (विज्ञप्ति)

गोवि में परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश को आवेदन शुरू

गोरखपुर: दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया सोमवार से शुरू हो गई। परास्नातक के 45 पाठ्यक्रमों के लिए उपलब्ध 4131 सीटों के लिए 26 मई तक आवेदन किए जाएंगे। विद्यार्थियों को इसी आवेदन के जरिए तीन महाविद्यालयों के कुछ पाठ्यक्रमों में भी प्रवेश का अवसर मिल सकेगा। आवेदन फार्म और प्रवेश विवरणिका विश्वविद्यालय के प्रवेश पोर्टल www.dduguadmission.in पर उपलब्ध है।

आनलाइन आवेदन प्रक्रिया का शुभारंभ करते हुए कुलपति प्रो.पूनम टंडन ने कहा कि इस बार की प्रवेश प्रक्रिया में अभ्यर्थियों को आवेदन संबंधी विवरण उपलब्ध कराने और फार्म भरने में यथासंभव सुगमता प्रदान करने पर जोर दिया गया है। इस दौरान कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी, वित्त अधिकारी एसपी सिंह, परीक्षा नियंत्रक डा.कुलदीप सिंह, प्रवेश प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो.हर्ष सिन्हा सहित प्रवेश प्रकोष्ठ के सदस्य मौजूद रहे।

पीजी पाठ्यक्रमों में उपलब्ध सीटें : एमए: 1876 ● एमएससी: 857, ●एमकाम: 150 ● एमबीए: 150, ● एमएससी कृषि : 199, पीजी डिप्लोमा: 204 ● एलएलबी : 374 ●, एलएलएम: 36, ● बीपीएड: 220 , एमएड: 165 । विज्ञप्ति

गोवि की पावरलिफ्टिंग टीम चयनित

गोरखपुर : चेन्नई में 20 मई से आयोजित अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता के लिए सोमवार को गोवि की टीम का चयन हुआ। क्रीड़ा परिषद के सचिव डा.राजवीर सिंह ने बताया कि टीम में गोवि कैंपस के अविनाश दुबे, अभिषेक दुबे, शशांक राय व हर्षवर्धन यादव चयनित हुए हैं। (विज्ञप्ति)

तीन कालेजों को जमा करना होगा विलंब शुल्क

● पोर्टल बंद होने के बाद बिना विलंब शुल्क फीस जमा करने का मामला
● गोवि प्रशासन ने शुरू की जांच दोषियों पर होगी कार्रवाई

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : नियम विरुद्ध पोर्टल खोलकर बिना विलंब शुल्क के फीस जमा करने वाले कालेजों पर गोवि प्रशासन ने नकेल कसनी शुरू कर दी है। सोमवार को गोवि प्रशासन ने तीन कालेजों को नोटिस जारी कर विलंब शुल्क शीघ्र जमा करने का आदेश जारी किया। चेतावनी दी कि शुल्क जमा नहीं होने की स्थिति में संबद्धता समाप्त कर दी जाएगी।

इन कालेजों ने विश्वविद्यालय के शिक्षक व कर्मचारियों से साठगांठ कर लाखों रुपये का वित्तीय नुकसान किया है। इन्होंने पोर्टल बंद होने के बाद भी 550 छात्रों का शुल्क जमा कर दिया था। कुलपति प्रो.पूनम टंडन ने कहा कि यह बहुत गंभीर मामला है। इसकी जांच कराई जा रही है। दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। संबंधित कालेजों को नोटिस जारी की गई उनसे विलंब शुल्क शीघ्र जमा करने को कहा गया है।

परीक्षा शुल्क के खेल में गोवि कर्मचारी निलंबित : परीक्षा शुल्क में खेल करने के मामले में गोवि प्रशासन ने प्रशासनिक भवन में तैनात एक कर्मचारी को सोमवार को निलंबित करते हुए उसे प्राचीन इतिहास विभाग से संबद्ध कर दिया। पूर्व में आइटीसी सेल में कार्यरत रहे कर्मचारी पर अप्रैल के पहले हफ्ते में कुछ कालेजों ने गंभीर आरोप लगाए थे। कालेजों का आरोप था कि उन्होंने परीक्षा शुल्क जमा करने के लिए संबंधित कर्मचारी के खाते में पैसा ट्रांसफर किया था, लेकिन कर्मचारी ने पैसा जमा नहीं किया।

प्रवेश प्रारम्भ

मनोविज्ञान की प्रायोगिक परीक्षा छह मई को

जासं, गोरखपुर: गोरखपुर विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में एमए द्वितीय और चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों की प्रायोगिक परीक्षा छह मई को सुबह 10 बजे से मनोविज्ञान विभाग में संपन्न होगी। यह जानकारी विभागाध्यक्ष प्रो. धनंजय कुमार ने दी। -विज्ञप्ति

Amar Ujala Page - 02, 04, 05

डॉ. सुशील को प्राणि विज्ञान अनुसंधान में मिला उत्कृष्टता पुरस्कार

गोरखपुर। सतत विकास के लिए जीव विज्ञान और अनुपयुक्त विज्ञान के एकाकृत अतः विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस में गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्राणि विज्ञान विभाग के डॉ. सुशील कुमार को एशियन बायोलॉजिकल रिसर्च फाउंडेशन की ओर से प्राणि विज्ञान अनुसंधान में उत्कृष्टता पुरस्कार मिला।

कांफ्रेंस का आयोजन विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद की ओर से प्रायोजित एवं एमएलके पीजी कॉलेज, बलरामपुर के जैव संकाय और एबीआरएफ के सहयोग से किया गया। डॉ. सुशील ने 'हेलिकोबैक्टर पायलोरी बैक्टीरिया के इन्फेक्शन और पेट के कैंसर के इंडियन एनिग्मा' पर अपना व्याख्यान दिया। डॉ. सुशील के 25 से ज्यादा शोध पत्र और पांच पुस्तक अध्याय अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय जनरल में प्रकाशित हैं। संवाद

परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया का शुभारंभ करतीं कुलपति प्रो. पूनम टंडन व अन्य शिक्षक। संवाद

गोरखपुर विश्वविद्यालय : परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए शुरू हुआ आवेदन

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय के परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया सोमवार से शुरू हो गई। परास्नातक के 45 पाठ्यक्रमों के लिए उपलब्ध 4131 सीटों के लिए 26 मई तक आवेदन किए जाएंगे। विद्यार्थियों को इसी आवेदन के जरिये तीन महाविद्यालयों के कुछ पाठ्यक्रमों में भी प्रवेश का अवसर मिल सकेगा। आवेदन फॉर्म और प्रवेश विवरणिका विश्वविद्यालय के प्रवेश पोर्टल www.dduguadmission.in पर उपलब्ध है। ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया का शुभारंभ करते हुए कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि इस बार की प्रवेश प्रक्रिया में अभ्यर्थियों को आवेदन संबंधी विवरण उपलब्ध कराने और फॉर्म भरने में यथासंभव सुगमता प्रदान करने पर जोर दिया गया है।

पीजी पाठ्यक्रमों में उपलब्ध सीटें : एमए-1876, एमएससी-857, एमकॉम-150, एमबीए-150, एमएससी कृषि-199, पीजी डिप्लोमा-204, एलएलबी-374, एलएलएम-36, बीपीएड-220, एमएड-165

स्थापना दिवस में शामिल होंगे अंतरराष्ट्रीय पुरातन विद्यार्थी

एक मई को मनाया जाएगा डीडीयू का 74वां स्थापना दिवस, तैयारी तेज

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में एक मई को होने वाले 74वें स्थापना दिवस को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। मंगलवार को दीक्षा भवन में कार्यक्रम का पूर्वाभ्यास किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय पुरातन छात्र भी समारोह में शामिल होने को लेकर उत्साहित हैं। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने विश्वविद्यालय के वैश्विक नेटवर्क को और मजबूत करते हुए नेपाल में अंतरराष्ट्रीय पुरातन छात्र चैप्टर के गठन की पहल की है।

दीक्षा भवन में आज कार्यक्रम का किया जाएगा पूर्वाभ्यास

अंतरराष्ट्रीय पुरातन छात्र परिषद के अध्यक्ष डॉ. एमएल शर्मा के अनुसार नेपाल के 15 प्रतिष्ठित पुरातन सभी छात्र डीडीयू से डिग्री प्राप्त कर वर्तमान में उच्च शिक्षा संस्थानों में शिक्षकों के रूप में कार्यरत हैं और वे समारोह में भाग लेंगे।

इनमें विशेष रूप से प्रो. एनपी पहाड़ी, प्रो. वीरेंद्र तखुर, डॉ. लाल बेबू शाह, डॉ. जी ढुंगाना, डॉ. पीएस भंडारी, डॉ. एनपी सतकोटा और डॉ. लक्ष्मी कंवर शामिल हैं। इसके अतिरिक्त संयुक्त राज्य अमेरिका के पुरातन छात्रों के प्रतिनिधिमंडल ने भी समारोह में भाग लेने को लेकर इच्छा जताई है।

नेपाल और संयुक्त राज्य अमेरिका दोनों से हमारे सम्मानित पूर्व छात्रों की भागीदारी, गोरखपुर विश्वविद्यालय के साथ उनके स्थायी बंधन का एक प्रमाण है। स्थापना दिवस समारोह में उनकी उपस्थिति निस्संदेह इस कार्यक्रम को समृद्ध करेगी और हमारे वैश्विक पूर्व छात्रों को मजबूत करेगी।
- प्रो. पूनम टंडन, कुलपति

डीडीयू की पॉवर लिफ्टिंग टीम चयनित

गोरखपुर। चेन्नई में 20 मई से आयोजित अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय पॉवर लिफ्टिंग प्रतियोगिता 2023-24 के लिए सोमवार को डीडीयू की टीम का चयन हो गया। क्रीड़ा परिषद के सचिव डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि टीम में डीडीयू परिसर के अविनाश कुमार दुबे, अभिषेक कुमार दुबे, शशांक राय व हर्षवर्धन यादव चयनित हुए हैं। संवाद

Inext Page -02

इंटरनेशनल रैंकिंग में लाने के लिए वेबलिंक्स बनेगा मददगार

gorakhpur@inext.co.in

GORAKHPUR (29April): डीडीयूजीयू में रिसर्च की क्वालिटी को बढ़ाने की कवायद शुरु कर दी गई है. यूनिवर्सिटी वीसी प्रो. पूनम टंडन ने यूनिवर्सिटी को इंटरनेशनल रैंकिंग में बेहतर परफॉर्म करने के लिए कमर कस ली है. वीसी प्रो. पूनम टंडन के मार्गदर्शन में यूनिवर्सिटी की वेबसाइट के रिन्यूवल कर रिसर्च के टीचर्स व स्टूडेंट्स को जागरुक करना है. इसी क्रम में विश्वविद्यालय ने अपनी वेबसाइट पर कुछ महत्वपूर्ण वेबलिंक्स उपलब्ध कराए हैं. जिसे ऋक्षस्क्षत्रष्ट ॥ टैब के ह्यद्गद्धह्वद्य स्द्बठ्ठद्मह्य पर क्लिक करके देखा जा सकता है. इसमें जर्नल ढूंढ़ना, जर्नल्स के इंडेक्सिंग पता करना एवं नकली या मानक के नीचे जर्नल्स के बारे में जानकारी उपलब्ध है. इससे ना सिर्फ रिसर्च की क्वालिटी में सुधार होगा बल्कि इसका प्रत्यक्ष लाभ रैंकिंग में भी दिखेगा. यह सुविधा खासकर कला, वाणिज्य एवं शिक्षा संकाय के शिक्षकों एवं शोधार्थियों के लिए वरदान साबित होगी.

ताकि मिल सके सहूलियत

वीसी प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि 'शोध के स्तर को बढ़ाने की दिशा में हमने कुछ लिंक्स उपलब्ध कराए हैं'. इनसे विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के शिक्षकों एवं शोधार्थियों को अपने विषय के अनुरूप जर्नल्स को चुनने तथा मानक से नीचे जर्नल्स मे शोधपत्र भेजने से बचने की सुविधा मिलेगी. जिससे विश्वविद्यालय की इंटरनेशनल छवि एवं

रैंकिंग मे व्यापक सुधार होगा. वहीं वेबसाइट प्रभारी डॉ. अंबरीश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि 'वेबसाइट पर Elsevier, Wiley, Sage आदि इंटरनेशनल प्रकाशकों से अपने शोध के विषय-अनुरूप जर्नल्स को ढूंढने एवं फर्जी जर्नल्स मे अपने शोध-पत्र छापने से बचने की सहूलियत मिलेगी. साथ ही सबकी सुविधा के लिए GC-CARE, Scopus ÌÍæ Web of Science में शामिल जर्नल्स की सूची का श्रोत भी दिया गया है.

Rashtriya Sahara Page - 05

मनोविज्ञान की प्रयोग परीक्षा 6 को

गोरखपुर(एसएनबी)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर सम सेमेस्टर द्वितीय एवं चतुर्थ (मनोविज्ञान) सत्र 2023-2024 की प्रायोगिक परीक्षा 06 मई 2024 को प्रातः 10 बजे से मनोविज्ञान विभाग में सम्पन्न होगी। समस्त संस्थागत एवं भूतपूर्व छात्र व छात्राएं प्रायोगिक अभ्यास पुस्तिका एवं एक प्रयोज्य के साथ परीक्षा में उपस्थित हों, विस्तृत जानकारी के लिए विभागीय सूचना पट्ट का अवलोकन करें। यह जानकारी प्रो. धनन्जय कुमार अध्यक्ष मनोविज्ञान विभाग ने दी।

स्वास्थ्य केंद्र पर लॉज ने डोनेट किया मेडिकल बेड

गोरखपुर(एसएनबी)। गोविवि. के स्वास्थ्य केंद्र पर फ्री मशीनरी संतकबीर लॉज 347

के सदस्यों द्वारा मेडिकल बेड डोनेट किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि यह सराहनीय कार्य है। आज जरूरत है हम सब को अत्यधिक संवेदनशील होने की समाज के उस तबके के लिए खड़ा होने की जिसे हमारी जरूरत है। कार्यक्रम से पूर्व कुलपति ने लॉज के सदस्यों के साथ पौधरोपण किया गया। जिसके उपरांत लॉज के सचिव प्रो. उमेश नाथ त्रिपाठी ने लज के क्रियाकलापों पर प्रकाश डालने हुए आभार जताया। कार्यक्रम में श्रीभूषण पांडेय, अध्यक्ष प्रो. धनंजय कुमार,डॉ. मिहिर कुमार, संचित श्रीवास्तव, जितेंद्र पांडेय, प्रशांत सिंह, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अनुभूति दूबे, स्वास्थ्य केंद्र की प्रभारी प्रो.वीना बत्रा, डॉ. अमित उपाध्याय, सहित स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने लॉज के सदस्यों संग पौधरोपण भी किया

परास्नातक के 45 पाठ्यक्रमों पर प्रवेश को आवेदन प्रक्रिया शुरू

गोरखपुर(एसएनबी)। दीदउ गोविवि के परास्नातक के 45 पाठ्यक्रमों 4131 सीटों पर प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया सोमवार से शुरू हो गई। पीजी, एलएलबी, एलएलएम , बीपीएड, एमएड एवं डिप्लोमा कोर्सेज में प्रवेश के लिए विद्यार्थियों द्वारा 26 मई 2014 तक आवेदन किया जा सकेगा।

■ डीडीयू में 4131 सीटों पर होगा प्रवेश
■ तीन महाविद्यालयों के कुछ पाठ्यक्रमों में भी इसी आवेदन से मिलेगी प्रवेश की सुविधा
■ 26 मई तक भरे जायेंगे आवेदन फॉर्म

गोविवि. की प्रवेश प्रक्रिया में अभ्यर्थी परास्नातक के 45 पाठ्यक्रमों के लिए उपलब्ध 4131 सीटों के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त उन्हें इसी आवेदन के जरिए तीन महाविद्यालयों के कुछ पाठ्यक्रमों में भी प्रवेश का अवसर मिल सकेगा। आवेदन फॉर्म और प्रवेश विवरणिका विवि. के प्रवेश पोर्टल डीडीयू जीयूएडमिशन. इन पर उपलब्ध है। कुलपति प्रो पूनम टंडन ने कहा कि इस बार की प्रवेश प्रक्रिया में अभ्यर्थियों को आवेदन संबंधी विवरण उपलब्ध कराने और फॉर्म भरने में यथासंभव सुगमता प्रदान करने पर जोर दिया गया है। इस

अवसर पर कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी, वित्त अधिकारी एसपी सिंह, परीक्षा नियंत्रक डा. कुलदीप सिंह, प्रवेश प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो.हर्ष सिन्हा सहित प्रवेश प्रकोष्ठ के सदस्य उपस्थित रहे।

पीजी पाठ्यक्रमों में उपलब्ध सीटों का विवरण : एमए : 1876, एमएससी : 857, एमकाम : 150, एमबीए : 150, एमएससी कृषि :199, पीजी डिप्लोमा :204 एलएलबीः 374, एलएलएमः 36,बीपीएडः 220,एमएडः 165।

डीडीयू की वेबसाइट अपग्रेड

गोरखपुर(एसएनबी)। कला, वाणिज्य एवं शिक्षा संकाय के शिक्षकों एवं शोधार्थियों के लिए गोविवि. ने अपनी वेबसाइट पर कुछ महत्वपूर्ण वेबलिंक्स उपलब्ध कराये हैं, जिसे रिसर्च टैब के यूजफुल लिंक पर क्लिक करके देखा जा सकता है। इससे शोध की गुणवत्ता में सुधार के साथ ही इसका लाभ रैंकिंग में भी दिखेगा।

इसमें उपयुक्त जर्नल ढूंढ़ना, जर्नल्स के इंडेक्सिंग पता करना एवं नकली या मानक के नीचे जर्नल्स के बारे में सभी जानकारी उपलब्ध है।

■ कला वाणिज्य एवं शिक्षा संकाय को मिलेगी खास सुविधा
■ जर्नल्स के मानक तथा फर्जी जर्नल्स के बारे में भी जान सकेंगे शोधार्थी
■ विवि. की रैंकिंग में दिखेगा लाभ

उत्कृष्ट शोध को दे रहे यह सुविधाः कुलपति

कुलपति प्रो. पूनम टण्डन ने कहा कि शोध के स्तर को बढ़ाने की दिशा

स्थापना दिवस समारोह में भाग लेंगे विवि के अंतरराष्ट्रीय पुरातन छात्र

गोरखपुर(एसएनबी)। दीदउ गोविवि के अंतर्राष्ट्रीय पुरातन छात्र आगामी 1 मई को होने वाले स्थापना दिवस समारोह में शामिल होंगे। जिसमें नेपाल के विभिन्न प्रतिष्ठित उच्च संस्थानों में कार्यरत तथा पूर्व में डीडीयू से विभिन्न डिग्री कार्यक्रम पूरा करने वाले छात्र भी भाग लेंगे। कुलपति प्रो.पूनम टंडन ने विश्वविद्यालय के वैश्विक नेटवर्क को और मजबूत करते हुए नेपाल में एक अंतरराष्ट्रीय पुरातन छात्र चैप्टर के गठन की पहल की है। अंतर्राष्ट्रीय पुरातन छात्र परिषद के अध्यक्ष डॉ. एम. एल. शर्मा ने कहा कि नेपाल के 15 प्रतिष्ठित पुरातन छात्रों का एक प्रतिनिधिमंडल, जिनमें से सभी ने डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय में विभिन्न डिग्री कार्यक्रम पूरे किए हैं और वर्तमान में उच्च शिक्षा संस्थानों में शिक्षकों के रूप में कार्यरत हैं, समारोह में भाग लेंगे। इनमें प्रो. एनपी पहाड़ी, प्रो.वीरेंद्र तखुर,डॉ.लाल बेबू शाह, डा. जी ढुंगाना, डा. पी.एस. भंडारी, डा.. एनपी सतकोटा, और डा. लक्ष्मी कन्वर शामिल हैं। इसके अतिरिक्त संयुक्त राज्य अमेरिका के पुरातन छात्रों के एक प्रतिनिधिमंडल ने समारोह में भाग लेने में अपनी गहरी रुचि व्यक्त की

डीडीयू से डिग्री लेने वाले 15 पुरातन नेपाली छात्र भी समारोह में रहेंगे मौजूद

संयुक्त राज्य अमेरिका से भी कुछ पुरातन छात्रों का होगा जमावड़ा

Hindustan Page - 05, 06

डीडीयू की पॉवर लिफ्टिंग टीम चयनित

गोरखपुर। चेन्नई में 20 मई से आयोजित अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय पॉवर लिफ्टिंग प्रतियोगिता 2023-24 के लिए सोमवार को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की टीम का चयन हो गया। क्रीड़ा परिषद के सचिव डॉ राजवीर सिंह ने बताया कि टीम में डीडीयू कैंपस के अविनाश कुमार दुबे, अभिषेक कुमार दुबे, शशांक राय व हर्षवर्धन यादव चयनित हुए हैं।

डॉ. सुशील कुमार को मिला उत्कृष्टता पुरस्कार

गोरखपुर। डीडीयू के प्राणी विज्ञान विभाग के डॉ. सुशील कुमार को एशियन बायोलॉजिकल रिसर्च फाउंडेशन द्वारा प्राणी विज्ञान अनुसंधान में उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किया गया है। एमएलके पीजी कॉलेज, बलरामपुर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस में उन्हें जीव विज्ञान के क्षेत्र में किए गए कार्यों के लिए यह पुरस्कार दिया गया है। डॉ सुशील के करीब 25 शोध पत्र और पांच पुस्तक अध्याय राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित हो चुकी हैं। विभागाध्यक्ष प्रो. रविकांत उपाध्याय आदि ने उन्हें बधाई दी है।

मनोविज्ञान की प्रायोगिक परीक्षा 6 मई को

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में एमए द्वितीय और चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों की प्रायोगिक परीक्षा छह मई को सुबह 10 बजे से मनोविज्ञान विभाग में संपन्न होगी।

स्थापना दिवस समारोह कल

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में 1 मई को आयोजित 74वें स्थापना दिवस को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं। इसमें अंतरराष्ट्रीय पुरातन छात्र भी शामिल होंगे। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने विश्वविद्यालय के वैश्विक नेटवर्क को और मजबूत करते हुए नेपाल में एक अंतरराष्ट्रीय पुरातन छात्र चैप्टर के गठन की पहल की है। अंतरराष्ट्रीय पुरातन छात्र परिषद के अध्यक्ष डॉ. एमएल शर्मा ने बताया कि नेपाल के 15 प्रतिष्ठित पुरातन सभी छात्र डीडीयू से डिग्री प्राप्त कर वर्तमान में उच्च शिक्षा संस्थानों में शिक्षकों के रूप में कार्यरत हैं और वे समारोह में भाग लेंगे।

Gorakhpur Super Fast Times

संतकबीर लॉज ने डोनेट किया मेडिकल बेड

गोरखपुर। सुपर फास्ट टाइम्स

फ्री मशीनरि संतकबीर लॉज 347 के सदस्यों द्वारा सोमवार को मेडिकल बेड डोनेट किया गया। कार्यक्रम में कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन ने उपस्थित हो कर लॉज द्वारा समाज में किए जा रहे सामजिक कार्यों की सराहना की। उन्होंने ने कहा कि हम सब को अत्यधिक संवेदनशील होने की जरूरत है। विश्वविद्यालय की कुलपति एवं लॉज के पदाधिकारियों और सदस्यों ने पौधरोपण किया। इसके बाद लॉज के सचिव प्रो. उमेश नाथ त्रिपाठी ने लॉज के क्रियाकलापों पर प्रकाश डाला। लॉज के आरजीएलईआई के एआरजीएम श्रीभूषण पांडेय ने सबका परिचय कराया। इस दौरान लॉज के अध्यक्ष प्रो. धनंजय कुमार, डॉ मिहिर कुमार, संचित श्रीवास्तव, जितेंद्र पांडेय, प्रशांत सिंह, प्रो. अनुभूति दूबे, केंद्र की प्रो. वीना बत्रा, डॉ. अमित उपाध्याय, डॉ. टीएन मिश्र, डॉ. ओम प्रकाश सिंह, डॉ. स्वर्णिमा सिंह आदि मौजूद रहे।

डीडीयू के परास्नातक के 45 पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन शुरू

○ अध्ययन,शोध और नवाचार के उत्कृष्ट केंद्र में विद्यार्थियों का स्वागत : कुलपति
○ पीजी, एलएलबी, एलएलएम , बीपीएड,एमएड एवं डिप्लोमा कोर्सेज के 45 पाठ्यक्रमों के लिए 26 मई तक भरे जायेंगे आवेदन फॉर्म

सुपर फास्ट टाइम्स

गोरखपुर। सुपर फास्ट टाइम्स दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया आज से शुरू हो गई। ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया का शुभारंभ करते हुए कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन ने आशा व्यक्त की कि नैक मूल्यांकन एवं अन्य अंतराष्ट्रीय रैंकिंग सूचियों में लगातार अपनी प्रतिष्ठा बढ़ा रहे अध्ययन, शोध और नवाचार के इस उत्कृष्ट केंद्र में विद्यार्थी प्रवेश लेकर उच्च शिक्षा के उद्देश्यों को हासिल कर सकेंगे। आज से शुरू प्रवेश प्रक्रिया में अभ्यर्थी परास्नातक के 45 पाठ्यक्रमों के लिए उपलब्ध 4131 सीटों के लिए आवेदन कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त उन्हें इसी आवेदन के जरिए तीन महाविद्यालयों के कुछ पाठ्यक्रमों में भी प्रवेश का अवसर मिल सकेगा। आवेदन फॉर्म और प्रवेश विवरणिका विवि के प्रवेश पोर्टल www.dduguadmission.in पर उपलब्ध होंगे। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन ने कहा कि इस बार की प्रवेश प्रक्रिया में अभ्यर्थियों को आवेदन संबंधी विवरण उपलब्ध कराने और फॉर्म भरने में यथासंभव सुगमता प्रदान करने पर

जोर दिया गया है। उन्होंने प्रवेश प्रकोष्ठ एवं विवि के सूचना, प्रकाशन और जनसंपर्क केंद्र द्वारा तैयार विभिन्न प्रवेश विवरणिकाओ की भी सराहना की इस अवसर पर कुलसचिव प्रोफेसर शांतनु रस्तोगी,वित्त अधिकारी एसपी सिंह,परीक्षा नियंत्रक डॉ०कुलदीप सिंह, प्रवेश प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. हर्ष सिन्हा सहित प्रवेश प्रकोष्ठ के सदस्य गण उपस्थित रहे।

पीजी पाठ्यक्रमों में उपलब्ध सीटों का विवरण

एमए :1876
एमएससी : 857
एम कॉम : 150
एम बी ए: 150
एम एस सी कृषि : 199
पीजी डिप्लोमा : 204
एल एल बी: 374
एल एल एम : 36
बीपीएडः 220
एम एडः 165

डीडीयू के स्थापना दिवस समारोह में शिरकत करेंगे अंतरराष्ट्रीय पुरातन छात्र

मुख्य संवाददाता (शाश्वत राम तिवारी)

गोरखपुर। सुपर फास्ट टाइम्स

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय पुरातन छात्र आगामी 1 मई को होने वाले स्थापना दिवस समारोह में भाग लेने को लेकर उत्साहित हैं। कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन ने विश्वविद्यालय के वैश्विक नेटवर्क को और मजबूत करते हुए नेपाल में एक अंतरराष्ट्रीय पुरातन छात्र चैप्टर के गठन की पहल की है। अंतर्राष्ट्रीय पुरातन छात्र परिषद के अध्यक्ष डॉ.एम.एल. शर्मा ने कहा कि नेपाल के 15 प्रतिष्ठित पुरातन छात्रों का एक प्रतिनिधिमंडल, जिनमें से सभी ने डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय में विभिन्न

डिग्री कार्यक्रम पूरे किए हैं और वर्तमान में उच्च शिक्षा संस्थानों में शिक्षकों के रूप में कार्यरत हैं, जो समारोह में भाग लेंगे। नेपाल के उल्लेखनीय पुरातन छात्रों में प्रोफेसर एन.पी.पहाड़ी, प्रो. वीरेंद्र तखुर, डॉ.लाल बेबू शाह, डॉ. जी ढुंगाना, डॉ.पी.एस. भंडारी, डॉ.एन.पी. सतकोटा, और डॉ. लक्ष्मी कवंर शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, संयुक्त राज्य अमेरिका के पुरातन छात्रों के एक प्रतिनिधिमंडल ने समारोह में भाग लेने में अपनी गहरी रुचि व्यक्त की है। डलास स्थित व्यवसाय उद्यमी श्री केएन सिंह और एएमडी के वरिष्ठ प्रबंधक मुकुल शर्मा और टीसीएस के वरिष्ठ निदेशक शिवेश सिन्हा जैसे पूर्व छात्र उन लोगों में से हैं जो विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस का जश्न मनाने को लेकर उत्साहित हैं। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन ने अंतरराष्ट्रीय पूर्व छात्र समुदाय से मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा, "नेपाल और संयुक्त राज्य अमेरिका दोनों से हमारे सम्मानित पूर्व छात्रों की भागीदारी, डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय के साथ उनके स्थायी बंधन का एक प्रमाण है। स्थापना दिवस समारोह में उनकी उपस्थिति निसंदेह इस कार्यक्रम को समृद्ध करेगी और हमारे वैश्विक पूर्व छात्रों को मजबूत करेगी। 1 मई को होने वाला स्थापना दिवस समारोह एक यादगार अवसर होने का वादा करता है, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय पूर्व छात्रों की उत्साही भागीदारी विश्वविद्यालय के वैश्विक प्रभाव और पहुंच को प्रदर्शित करेगी।

डॉ०सुशील कुमार को प्राणी विज्ञान अनुसंधान में मिला उत्कृष्टता पुरस्कार

गोरखपुर। सुपर फास्ट टाइम्स

सतत विकास हेतु जीव विज्ञान और अनुपयुक्त विज्ञान के एकाकृत अत विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस में डॉ सुशील कुमार, सहायक आचार्य, प्राणि विज्ञान विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर

विश्वविद्यालय गोरखपुर को एशियन बायोलॉजिकल रिसर्च फाऊंडेशन (एबीआरएफ) द्वारा प्राणि विज्ञान अनुसंधान में उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त हुआ। इसका आयोजन विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश (सीएसटी, यूपी) द्वारा प्रायोजित एवं जैव संकाय एम.एल.के. पीजी कॉलेज, बलरामपुर के द्वारा ए बी आर एफ उत्तर प्रदेश के सहयोग से 27-28 अप्रैल को आयोजित किया गया। डॉक्टर सुशील ने अपना व्याख्यान हेलिकोबैक्टर पायलोरी बैक्टीरिया के इन्फेक्शन और पेट के कैंसर के इंडियन एनिग्मा के बारे में दिया। डॉक्टर सुशील के 25 से ज्यादा शोध पत्र और 5 पुस्तक अध्याय अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय जनरल में प्रकाशित है इस उपलब्धि के लिए उन्हें प्राणि विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर रविकांत उपाध्याय सहित विश्वविद्यालय के बहुत से शिक्षको ने बधाई दी।

Swatantra Chetna Page - 02,04

विवि के अंतर्राष्ट्रीय पुरातन छात्र भी स्थापना दिवस समारोह में लेंगे भाग

☐ अमेरिका और नेपाल के पुरातन छात्रों का प्रतिनिधिमंडल होगा शामिल

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुरः दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय पुरातन छात्र आगामी 1 मई को होने वाले स्थापना दिवस समारोह में भाग लेने को लेकर उत्साहित हैं।

कुलपति प्रो.पूनम टंडन ने विश्वविद्यालय के वैश्विक नेटवर्क को और मजबूत करते हुए नेपाल में एक अंतर्राष्ट्रीय पुरातन छात्र चैप्टर के गठन की पहल की है।

अंतर्राष्ट्रीय पुरातन छात्र परिषद के अध्यक्ष डॉ. एम. एल. शर्मा ने कहा कि नेपाल के 15 प्रतिष्ठित पुरातन छात्रों का एक प्रतिनिधिमंडल, जिनमें से सभी ने डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय में विभिन्न डिग्री कार्यक्रम पूरे किए हैं और वर्तमान में उच्च शिक्षा संस्थानों में शिक्षकों के रूप में कार्यरत हैं, समारोह में भाग लेंगे। नेपाल के उल्लेखनीय पुरातन छात्रों में प्रोफेसर एन.पी. पहाड़ी, प्रो. वीरेंद्र तखुर, डॉ. लाल बेबू शाह, डॉ. जी ढुंगाना, डॉ. पी.एस. भंडारी, डॉ. एन.पी. सतकोटा, और डॉ. लक्ष्मी कवंर शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, संयुक्त राज्य अमेरिका के पुरातन छात्रों के एक प्रतिनिधिमंडल ने समारोह में भाग लेने में अपनी गहरी रुचि व्यक्त की है। डलास स्थित व्यवसाय उद्यमी केएन सिंह और एएमडी के वरिष्ठ प्रबंधक मुकुल शर्मा और टीसीएस के वरिष्ठ निदेशक शिवेश सिन्हा जैसे पूर्व छात्र उन लोगों में से हैं जो विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस का जश्न मनाने को लेकर उत्साहित हैं।

दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो.पूनम टंडन ने अंतर्राष्ट्रीय पूर्व छात्र समुदाय से मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा, नेपाल और संयुक्त राज्य अमेरिका दोनों से हमारे सम्मानित पूर्व छात्रों की भागीदारी, डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय के साथ उनके स्थायी बंधन का एक प्रमाण है। स्थापना दिवस समारोह में उनकी उपस्थिति निस्संदेह इस कार्यक्रम को समृद्ध करेगी और हमारे वैश्विक पूर्व छात्रों को मजबूत करेगी नेटवर्क। स्थापना दिवस समारोह एक यादगार अवसर होने का वादा करता है, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय पूर्व छात्रों की उत्साही भागीदारी विश्वविद्यालय के वैश्विक प्रभाव और पहुंच को प्रदर्शित करेगी।

जरूरत है, हम सब को संवेदनशील होने की : कुलपति

☐ सभ्य समाज से अपेक्षित है की सामाजिक कार्यो से शहर, प्रदेश एवं देश को मजबूत करें: कुलपति

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। डीडीयू गोरखपुर विश्विद्यालय के स्वास्थ्य केंद्र पर सोमवार को द संतकबीर लॉज 347 के सदस्यों ने मेडिकल बेड डोनेट किया।कार्यक्रम में कुलपति प्रो पूनम टंडन ने उपस्थित होकर लॉज द्वारा समाज में किए जा रहे सामजिक कार्यों की सराहना की और कहा कि यह सभ्य समाज से अपेक्षित है की वह आगे आए और सामाजिक कार्यो से शहर, प्रदेश एवं देश को मजबूत करें।

उन्होंने ने कहा कि आज जरूरत है, हम सब को अत्यधिक संवेदनशील होने की, समाज के उस तबके के लिए खड़ा होने की जिसे जरूरत है।

कार्यक्रम में पहले कुलपति एवं लॉज के पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा पौधरोपण किया गया, जिसके उपरांत लॉज के सचिव प्रो उमेश नाथ त्रिपाठी ने लॉज के क्रियाकलापों पर प्रकाश डालते हुए कुलपति समेत सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में लॉज के आरजीएलईआई के एआरजीएम श्रीभूषण पांडेय ने सबका परिचय कराया एवं कुलपति के प्रति आभार व्यक्त किया उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन को आश्वस्त किया कि भविष्य में भी यह लॉज ऐसे सामजिक कार्य करता रहेगा।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से लॉज के अध्यक्ष प्रो धनंजय कुमार, डीओसी डॉ मिहिर कुमार, संचित श्रीवास्तव, जितेंद्र पांडेय, प्रशांत सिंह, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो अनुभूति दूबे, स्वस्थ्य केंद्र की प्रभारी प्रो वीना बत्रा,डॉ अमित उपाध्याय, डॉ टी एन मिश्र, डॉ ओम प्रकाश सिंह, डॉ स्वर्णिमा सिंह, स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

शोधार्थियों के लिए विश्वविद्यालय की एक और नई पहल

☐ शोध की गुणवत्ता बढ़ाने की दिशा में अग्रसर गोविवि
☐ वेबसाइट पर उपलब्ध कराए महत्वपूर्ण वेबलिंक्स

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। विश्वविद्यालय शोध की गुणवत्ता बढ़ाने की दिशा में निरन्तर कार्य कर रहा है जो इसकी अन्तर्राष्ट्रीय रैंकिंग में उछाल से साफ नजर आ रहा है। कुलपति प्रो. पूनम टण्डन के मार्गदर्शन पर विश्वविद्यालय वेबसाइट के नवीनीकरण का एक प्रमुख उद्देश्य शोध के लिए शिक्षकों एवं छात्रों को जागरुक करना रहा है।

इसी कड़ी में विश्वविद्यालय ने अपनी वेबसाइट पर कुछ महत्वपूर्ण वेबलिंक्स उपलब्ध कराये हैं जिसे रिसर्च टैब के यूज़फुल लिंक्स पर क्लिक करके देखा जा सकता है। इसमें उपयुक्त जर्नल ढूंढ़ना, जर्नल्स के इंडेक्सिंग पता करना एवं नकली या मानक के नीचे जर्नल्स के बारे में जानकारी उपलब्ध है। इससे ना सिर्फ शोध की गुणवत्ता में सुधार होगा बल्कि इसका प्रत्यक्ष लाभ रैंकिंग में भी दिखेगा। यह सुविधा खासकर कला, वाणिज्य एवं शिक्षा संकाय के शिक्षकों एवं शोधार्थियों के लिए वरदान साबित होगी।

कुलपति प्रो. पूनम टण्डन ने कहा कि शोध के स्तर को बढ़ाने की दिशा में हमने कुछ लिंक्स उपलब्ध कराए है। इनसे विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के शिक्षकों एवं शोधार्थियों को अपने विषय के अनुरूप उपयुक्त जर्नल्स को चुनने तथा मानक से नीचे जर्नल्स में शोधपत्र भेजने से बचने की सुविधा मिलेगी। जिससे विश्वविद्यालय की अंतराष्ट्रीय छवि एवं रैंकिंग में व्यापक सुधार होगा।

वेबसाइट प्रभारी डा. अम्बरीश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि वेबसाइट पर एल्सिवियर, विले, सेग आदि अंतरराष्ट्रीय प्रकाशकों से अपने शोध के विषय-अनुरूप जर्नल्स को ढूंढने एवं फर्जी जर्नल्स में अपने शोध-पत्र छापने से बचने की सहूलियत मिलेगी।

साथ ही सबकी सुविधा के लिए यूजीसी-केयर, स्कॉपस तथा वेब ऑफ साइंस में शामिल जर्नल्स की सूची का श्रोत भी दिया गया है।

डॉ सुशील को मिला प्राणी विज्ञान अनुसंधान में उत्कृष्टता पुरस्कार

☐ डॉ सुशील के अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय जनरल में 25 से ज्यादा शोध पत्र और 5 पुस्तक अध्याय प्रकाशित है

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। सतत विकास हेतु जीव विज्ञान और अनुपयुक्त विज्ञान के एकाकृत अतः विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस में डॉ सुशील कुमार, सहायक आचार्य, प्राणि विज्ञान विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर को एशियन बायोलॉजिकल रिसर्च फाऊंडेशन (एबीआरएफ) के द्वारा ह्यप्राणि विज्ञान अनुसंधान में उत्कृष्टता पुरस्कारह्व प्राप्त हुआ।

इसका आयोजन विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश (सीएसटी, यूपी) द्वारा प्रायोजित एवं जैव संकाय एम.एल.के. पीजी कॉलेज, बलरामपुर के द्वारा ए बी आर एफ उत्तर प्रदेश के सहयोग से 27-28 अप्रैल को आयोजित किया गया डॉक्टर सुशील ने अपना व्याख्यान ह्यहेलिकोबैक्टर पायलोरी बैक्टीरिया के इन्फेक्शन और पेट के कैंसर के इंडियन एनिग्माह्व के बारे में दिया।

डॉक्टर सुशील के 25 से ज्यादा शोध पत्र और 5 पुस्तक अध्याय अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय जनरल में प्रकाशित है इस उपलब्धि के लिए उन्हें प्राणि विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर रविकांत उपाध्याय सहित विश्वविद्यालय के बहुत से शिक्षकों ने बधाई दी।

Amar Ujala Select Page - 04

डीडीयू : परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए शुरू हुआ आवेदन

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया सोमवार से शुरू हो गई। परास्नातक के 45 पाठ्यक्रमों के लिए उपलब्ध 4131 सीटों के लिए 26 मई तक आवेदन किए जाएंगे। विद्यार्थियों को इसी आवेदन के जरिये तीन महाविद्यालयों के कुछ पाठ्यक्रमों में भी प्रवेश का अवसर मिल सकेगा। आवेदन फॉर्म और प्रवेश विवरणिका विश्वविद्यालय के प्रवेश पोर्टल www.dduguadmission.in पर उपलब्ध है।

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया का शुभारंभ करते हुए कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि इस बार की प्रवेश प्रक्रिया में अभ्यर्थियों को आवेदन संबंधी विवरण उपलब्ध कराने और फॉर्म भरने में यथासंभव सुगमता प्रदान करने पर जोर दिया गया है। इस दौरान कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी, वित्त अधिकारी एसपी सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ. कुलदीप सिंह, प्रवेश प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. हर्ष सिन्हा सहित प्रवेश प्रकोष्ठ के सदस्य उपस्थित रहे।

पीजी पाठ्यक्रमों में उपलब्ध सीटें

■ एमए - 1876
■ एमएससी - 857
■ एमकॉम - 150
■ एमबीए - 150
■ एमएससी कृषि - 199
■ पीजी डिप्लोमा - 204
■ एलएलबी - 374
■ एलएलएम - 36
■ बीपीएड - 220
■ एमएड - 165

शोध की गुणवत्ता बढ़ाने की दिशा में गोविवि अग्रसर

निर्वाण टाइम्स ब्यूरो

गोरखपुर। विश्वविद्यालय शोध की गुणवत्ता बढ़ाने की दिशा में निरन्तर कार्य कर रहा है जो इसकी अन्तर्राष्ट्रीय रैंकिंग में उछाल से साफ़ नज़र आता है। कुलपति प्रो. पूनम टण्डन के मार्गदर्शन पर विश्वविद्यालय वेबसाइट के नवीनीकरण का एक प्रमुख उद्देश्य शोध के लिए शिक्षकों एवं छात्रों को जागरुक करना रहा है। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय ने अपनी वेबसाइट पर कुछ महत्वपूर्ण वेबलिंक्स उपलब्ध कराये हैं जिसे रिसर्च टैब के यूज़फुल लिंक्स पर क्लिक करके देखा जा सकता है। इसमें उपयुक्त जर्नल ढूंढ़ना, जर्नल्स के इंडेक्सिंग पता करना एवं नक़ली या मानक के नीचे जर्नल्स के बारे में जानकारी उपलब्ध है। इससे ना सिर्फ़ शोध की

गुणवत्ता में सुधार होगा बल्कि इसका प्रत्यक्ष लाभ रैंकिंग में भी दिखेगा। यह सुविधा ख़ासकर कला, वाणिज्य एवं शिक्षा संकाय के शिक्षकों एवं शोधार्थियों के लिए वरदान साबित होगी।कुलपति प्रो. पूनम टण्डन ने कहा कि "शोध के स्तर को बढ़ाने की दिशा में हमने कुछ लिंक्स उपलब्ध कराए हैं। इनसे विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के शिक्षकों एवं शोधार्थियों को अपने विषय के अनुरूप उपयुक्त जर्नल्स को चुनने तथा मानक से नीचे जर्नल्स में शोधपत्र भेजने से बचने की सुविधा मिलेगी। जिससे विश्वविद्यालय की अंतराष्ट्रीय छवि एवं रैंकिंग में व्यापक सुधार होगा।"वेबसाइट प्रभारी डा. अम्बरीश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि "वेबसाइट पर एलसेविर , वाइली , सगे आदि अंतरराष्ट्रीय प्रकाशकों से अपने शोध के विषय-अनुरूप जर्नल्स को ढूँढने एवं फ़र्ज़ी जर्नल्स में अपने शोध-पत्र छापने से बचने की सहूलियत मिलेगी। साथ ही सबकी सुविधा के लिए यूजीसी केयर , स्कॉपस तथा वेब ऑफ़ साइंस में शामिल जर्नल्स की सूची का श्रोत भी दिया गया है।"